लिम्फेटिक फाइलेरियासिस

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री** ने लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (Lymphatic filariasis - LF) उन्मूलन के लिये द्वि-वार्षिक राष्ट्रव्यापी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (Mass Drug Administration- MDA) अभियान का पहला चरण शुरू किया।

नोट:

- अभियान का उद्देश्य बीमारी से प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को **मुफ्त निवारक दवाएँ (providing free preventive medications)** प्रदान करके बीमारी के संचरण को रोकना है। यह अभियान 11 राज्यों के 92 ज़िलों को कवर करेगा।

लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (Lymphatic Filariasis) क्या है?

- **परिचय:**
  - लिम्फेटिक फाइलेरियासिस, जिसे आमतौर पर **हाथीपाँव रोग (एलफिंटियासिस)** के रूप में जाना जाता है, परजीवी संक्रमण के कारण होने वाला एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (Neglected Tropical Disease- NTD) है जो संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलता है।
- **वैश्विक प्रसार:**
  - **44 देशों में 882 मिलियन से अधिक लोग** हाथीपाँव रोग/लिम्फेटिक फाइलेरियासिस (Lymphatic Filariasis) के खतरे का सामना करते हैं और उन्हें निवारक कीमोथेरेपी (Preventive Chemotherapy) की आवश्यकता होती है।
  - भारत में LF एक गंभीर लोक स्वास्थ्य समस्या है। वर्तमान में, **देश के 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 345 लिम्फैटिक फाइलेरिया स्थानिक ज़िले हैं।**
    - MDA के 75% ज़िले 5 राज्यों बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना से हैं।
  - लिम्फेटिक फाइलेरियासिस शहरी गरीबों में अधिक प्रचलित है और **ग्रामीण आबादी के सभी वर्गों को प्रभावित** करता है।
- **प्रभाव:**
  - संक्रमण **बचपन में शुरू होकर वयस्कता तक संचय होता है**, जिसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय दीर्घकालिक रोग की स्थिति पैदा होती है।
    - यह बीमारी कलंक, मानसिक पीड़ा, सामाजिक अभाव और आर्थिक नुकसान पहुँचाती है तथा प्रभावित समुदायों में गरीबी का एक प्रमुख कारण है।
- **कारण और संचरण:**
  - **परजीवी संक्रमण (Parasitic Infection):**
    - लिम्फैटिक फाइलेरियासिस फिलारियोडिडिया परिवार के नेमाटोड (roundworms) के रूप में वर्गीकृत परजीवियों (**Parasitic**) के संक्रमण के कारण होता है। फाइलेरिया जैसे ये कृमि (worms) तीन प्रकार के होते हैं:
      - **वुचेरेरिया बैन्क्रॉफ्टी (Wuchereria Bancrofti), जो 90% मामलों के लिये उत्तरदायी होता है।**
      - **ब्रुगिया मलाई (Brugia Malayi),** जो शेष अधिकांश मामलों का कारण बनता है।
      - **ब्रुगिया टिमोरी (Brugiya Timori),** भी इस रोग का कारण है।
  - संचरण (Transmission) चक्र:
    - वयस्क कीड़े **लसीका वाहिकाओं(lymphatic vessels)** में रहते हैं, जो माइक्रोफिलारिया का उत्पादन करते हैं जो रक्त में फैलते हैं।
    - मच्छर किसी संक्रमित मेज़बान को काटने से संक्रमित हो जाते हैं और लार्वा को मनुष्यों तक पहुँचाते हैं, जिससे संचरण चक्र कायम रहता है।
- **लक्षण और जटिलताएँ:**
  - **लक्षण रहित और दीर्घकालिक स्थितियाँ:**
    - अधिकांश संक्रमण लक्षण रहित होते हैं किंतु इसकी दीर्घकालिक स्थितियों से **लिम्फोएडेमा** (अंगों की सूजन), **हस्तपाद/एलफिंटियासिस** (त्वचा/ऊतकों का स्थूल होना) तथा **हाइड्रोसील** (अंडकोश की सूजन) की समस्या हो सकती है जिससे **शरीर में विकृति तथा मनोवैज्ञानिक विकार** की स्थिति उत्पन्न हो सकती।

- **तीव्र प्रकरण:**
  - तीव्र **शोथ** (Inflammation) की स्थिति अमूमन दीर्घकालिक स्थितियों से संबंधित है जो संक्रमित व्यक्तियों में दुर्बलता तथा उनकी कार्यक्षमता प्रभावित करने का कारण बनती है।

- **उपचार एवं रोकथाम:**
  - **निवारक कीमोथेरेपी:**
    - **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने लिम्फेटिक फाइलेरियासिस की रोकथाम के लिये MDA के साथ-साथ प्रभावित लोगों को वार्षिक रूप से निवारक दवाएँ वितरित करने की सिफारिश की।
  - **MDA रेजीमेन्स/नियम:**
    - अन्य फाइलेरिया रोगों के साथ सह-स्थानिकता के आधार पर, **माइक्रोफाइलेरिया घनत्व को कम करने और संचरण को रोकने के लिये** विभिन्न उपचार नियमों के अनुपालन की सलाह दी जाती है।
  - **रुग्णता प्रबंधन:**
    - दीर्घकालिक स्थितियों के निदान और रोग को बढ़ने से रोकने के लिये **सर्जरी, स्वच्छता उपाय तथा नैदानिक देखभाल** आवश्यक है।
  - **वेक्टर नियंत्रण:**
    - **मच्छर नियंत्रण** जैसी रणनीतियाँ **संचरण को कम करने** तथा निवारक कीमोथेरेपी प्रयासों को पूरक बनाने **में मदद करती हैं।**

- **WHO की प्रतिक्रिया और लक्ष्य:**
  - **लिम्फेटिक फाइलेरियासिस उन्मूलन हेतु वैश्विक कार्यक्रम (GPELF):**
    - इसका शुभारंभ वर्ष 2000 में किया गया था तथा इसका लक्ष्य निवारक कीमोथेरेपी और रुग्णता प्रबंधन के माध्यम से एक सार्वजनिक **स्वास्थ्य समस्या के रूप में मौजूद लिम्फेटिक फाइलेरियासिस** को खत्म करना है।
    - वर्ष 2020 में GPELF ने नए NTD रोड मैप (2021–2030) के लिये निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किये:
      - **मान्यता:** 80% स्थानिक देशों (58) ने MDA के बाद कम संक्रमण दर बनाए रखते हुए उन्मूलन के सत्यापन के मानदंडों को पूरा/मान्य किया।
      - **अनुवीक्षण:** सभी स्थानिक देशों (72) को रोग के पुनः संचरण को रोकने के लिये अनुवीक्षण की आवश्यकता है।
      - **MDA में कमी:** आबादी के बड़े हिस्से पर औषधियों के प्रयोग की अनिवार्यता को कम करना।

- **भारत की पहल:**
  - **मिशन मोड इंडिया मल्टी-ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (MDA) अभियान** वर्ष में दो बार राष्ट्रीय **कृमि मुक्ति दिवस (10 फरवरी और 10 अगस्त)** के साथ समन्वयित किया जाता है।
  - **भारत** वैश्विक लक्ष्य (2030) से तीन वर्ष पूर्व, **वर्ष 2027 तक लिम्फेटिक फाइलेरियासिस को समाप्त करने के लिये प्रतिबद्ध** है।

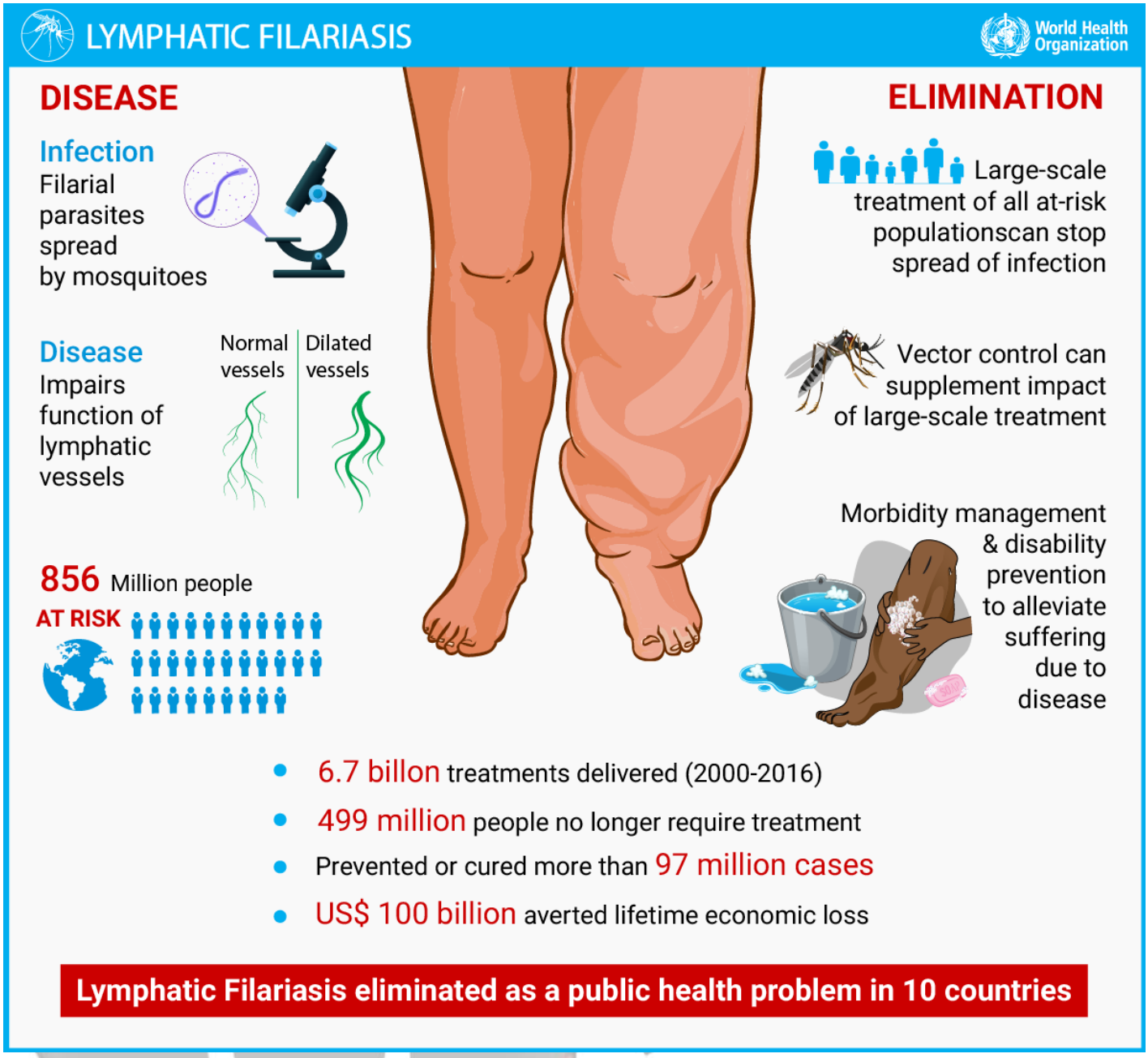

//

वैश्वकि जैववविधिता फ्रेमवर्क कोष

वैश्विक जैवविविधिता फ्रेमवर्क कोष (Global Biodiversity Framework Fund - GBFF) की पहली परिषद बैठक हाल ही में वाशिंगटन डीसी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में हुई।

- वैश्विक पर्यावरण सुविधा (Global Environment Facility - GEF) की **66वीं परिषद बैठक** के हिस्से के रूप में आयोजित बैठक में COP15 में अपनाए गए **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधिता फ्रेमवर्क** में उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिये धन सुरक्षित करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया।
    - GBFF के निष्पादन के लिये दिशा-निर्देश स्थापित किये गए थे, शुरुआत में वर्ष 2022 में **जैवविविधिता पर कन्वेंशन (CBD) के COP15 के दौरान प्रस्तावित** किया गया था।
- GBFF के लिये कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में GEF, पाँच सम्मेलनों के लिये **"वित्तीय तंत्र"** के रूप में कार्य करता है: पारा पर मिनामाता अभिसमय, स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों (POP) पर स्टॉकहोम अभिसमय, जैविक विविधिता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCBD), मरुस्थलीकरण से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCCD), जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभिसमय (UNFCCC)

ओडिशा सरकार की स्वयं (SWAYAM) और खुशी (KHUSI) योजना

स्रोत: द हिंदू

राज्य में **सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS)** के अंतर्गत आने वाले परिवारों के लिये ओडिशा सरकार ने हाल ही में आजीविका हेतु 1,000 रुपए की एकमुश्त नकद सहायता की घोषणा की है।

- राज्य सरकार ने 18-35 वर्ष (विशेष श्रेणी के लिये 18-40) आयु वर्ग के ग्रामीण बेरोज़गार युवाओं को नए व्यावसायिक उद्यम शुरू करने के लिये 1 लाख रुपए का ब्याज मुक्त बैंक ऋण प्रदान करने के लिये **'स्वयं'** नामक एक नई योजना शुरू की है।
    - राष्ट्रीय स्तर पर **गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों** को 10 लाख रुपए तक का ऋण प्रदान करने के लिये अप्रैल, 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) शुरू की गई थी।
- राज्य सरकार ने सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में संस्थागत प्रसव और गर्भ के चिकित्सकीय समापन के लिये **बेल्टेड सैनिटरी नैपकिन** वितरित करने हेतु मौजूदा **खुशी योजना** का विस्तार करते हुए इसे अब **खुशी +** का नाम दिया है। इसका उद्देश्य राज्य में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता में सुधार लाना तथा मातृ मृत्यु दर एवं रुग्णता दर को कम करना है।
    - **राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5** के अनुसार ओडिशा में स्वच्छ मासिक धर्म सुरक्षा का प्रयोग करने वाली महिलाओं की दर उच्च, राष्ट्रीय औसत से अधिक 81.5% है।

और पढ़ें...राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5, सार्वजनिक वितरण प्रणाली

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/14-02-2024/print